Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

वैकुंठ एकादशी उत्सव

हालिया संदर्भ :

- हाल ही में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ के कारण कई जानें चली गई एवं कई लोग घायल हो गए।
- श्रद्धालु वैकुंठ एकादशी उत्सव के कारण हजारों की संख्या में टोकन (दर्शन के लिए परमिट) लेने के लिए एकत्र हुए थे।

वैकुंठ एकादशी उत्सव :

- *** वैकुंठ एकादशी उत्सव का संबंध भगवान वेंकटेश्वर से है।
- *** यह जनवरी के दूसरे सप्ताह में मनाया जाता है, जिस दिन तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के रूप में विराजमान भगवान विष्णु का आशीर्वाद लेना विशेष रूप से शुभ माना जाता है।
- पूर्व में यह उत्सव एक ही दिन का होता था, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ते जाने से इसे 10 दिवसीय उत्सव में बदल दिया गया।

मान्यता :

- भगवान श्री वेंकटेश्वर मंदिर के गर्भगृह के पास एक विशेष प्रवेश द्वार है, जिसे "वैकुंठ द्वार" कहा जाता है, जो सिर्फ वैकुंठ एकादशी के दिन ही भक्तों के लिए खुलता है।
- ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो भी श्रद्धालु वैकुंठ द्वार से गुजरता है, वह भगवान विष्णु के स्वर्गीय क्षेत्र वैकुंठ धाम में जगह प्राप्त करता है।

व्यवस्था :

- सभी प्रकार के व्यवस्थाओं एवं उसके कार्यान्वयन का भार TTD यानि "तिरुमाला तिरुमाला देवस्थानम" के पास होता है, जो इस विशेष अवसर पर व्यवस्थित तैयारी करता है।
- इस 10 दिनों के लिए TTD विशेष काउंटरों, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा भीड़भाड़ एवं भगदड़ को रोकने आदि के लिए पूरी तैयारी करता है।
- इन दिनों में सुरक्षा एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए जाते हैं।

भगदड़ का कारण :

- दरअसल लाइन में खड़े (एक विशिष्ट केंद्र पर) श्रद्धालुओं में से एक को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जिसे बाहर निकालने के लिए प्रवेश द्वार को खोला गया। अन्य श्रद्धालुओं को मेडिकल इमरजेंसी का पता नहीं था और उन्हें लगा कि दर्शन के लिए दरवाजा खोला गया है, जिसके बाद धक्का–मुक्की एवं भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई।

*** तिरुपति मंदिर :

- मंदिर आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में तिरुमाला पहाड़ी पर स्थित है।
- मंदिर वाले स्थल को "कलयुग वैकुंठ" एवं भगवान वेंकटेश्वर को "कलयुग प्रत्यक्ष दैवम" कहा जाता है।
- संगम साहित्य में इस मंदिर के स्थल को "त्रिवेंगदम" कहा गया है।
- ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, इस मंदिर के निर्माण में चोल, होयसल एवं विजयनगर के राजाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था।
- मंदिर का प्रबंधन TTD द्वारा किया जाता है, जो आंध्र प्रदेश सरकार के अधीन एक संस्था है।
- मंदिर में भगवान को भोग लगाए जाने वाले प्रसिद्ध लड्डू (प्रसादम) को 2014 में GI Tag प्राप्त हो चुका है।
- यह द्रविड़ शैली में निर्मित है।

MCQ–1 : तिरुपति मंदिर एवं संबंधित कथनों में से असत्य कथन को चुने–

a) भगवान वेंकटेश्वर या तिरुपति मंदिर विष्णु को समर्पित है।

b) तिरुपति मंदिर के प्रसिद्ध लड्डू (तिरुपति लडडू) को GI टैग प्राप्त है।

c) यह मंदिर पूर्व में आंध्र प्रदेश में स्थित था, विभाजन के बाद यह तेलंगाना राज्य में पड़ता है।

d) चोल, होयसल एवं विजयनगर के शासकों ने इस मंदिर के निर्माण में सहयोग किया है।

Ans.-(c)

Result Mitra

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806